पूर्वानुसंधान (References)

1 गुप्ता डॉ० पुष्पा (1994) संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास, ईस्टर्न बुक प्रिन्टर्स, पुष्ट संख्या 1 से 305

2 डॉ० कृष्णलाल, डॉ उर्वी (प्रथम संस्करण – 2005) संस्कृत साहित्य परिशीलन, जेपी पब्लिशिंग हाउस दिल्ली पृष्ठ संख्या –1/से 250

3 पंडया डॉ० विजय (प्रथम संस्करण 2004) अनुनय (आस्वाद मूलक संस्कृत लेखो का संचय) पाश्व पब्लिकेशन अमदावाद पृष्ठ संख्या. 8 से 13

4 जोषी डॉ० जगदीश भाई (प्रथम आवृति 2000) रामायण, महाभारत सहित संस्कृत साहित्य में करुण रस पाश्व पब्लिकेशन पार्श्व पृष्ठ संख्या 141 से 150

5 वर्मा डॉ ० राजकुमार (2005) कालिदास और शैकसपियर के काव्यों में सौंदर्य और प्रेम तत्व एक तुलनात्मक अध्ययन, हंसा प्रकाशन जयपुर,(सम्पादक डॉ ० कृष्णगोपाल मिश्र) पृष्ठ संख्या 1 से 432

6 संपादकः– पटेल डॉ ० गौतम . पटेल प्रा. कानजी. प्रजापति डॉ० मनुभाई. (2004) शब्दाख्य ज्योति (संस्कृत संशोधनात्मक लेख समुच्चय) (डॉ० विजय भाई पंडया अभिनंदन ग्रन्थ) पाश्व पब्लिकेशन पाश्व पृष्ठ संख्या 150 से 154

7 महेता सी. वी. '' आशूतोष '' (2006) शृंगार शास्त्र में नारी (एक समाजशास्त्र द्रष्टि) पाश्व पब्लिकेशन अमदावाद पृष्ठ संख्या 1से 88

8 डॉ० राजकुमार 2005 नारी के बदलते आयाम – अर्जून पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली पृष्ठ संख्या– 1 से 213

9 लेखक. झाला. जी. सी. अनुवादक :– बेटाई डॉ० रमेश संपादक – पटेल गौतम (1998) महाकवि कालिदास समीक्षात्मक अध्ययन. संस्कृत साहित्य अकादमी गांधीनगर पृष्ठ संख्या 1से 164

10 डॉ० अनिलकुमार, (2006) संस्कृत नाटकों में भारतीय समाज, हंसा प्रकाशन जयपुर पृष्ठ संख्या 1से 338

11 दूबे डॉ० विभारानी (2006) कालिदास भावानुकीर्तन कला प्रकाशन वाराणसी पृष्ठ संख्या – (1से 191)

12 द्विवेदी प्रो. डॉ० कैलासनाथ (2004) कालिदास परिशीलन हंसा प्रकाशन जयपुर पृष्ठ संख्या (1से 244)

13 शर्मा डॉ० वीना विश्नोई (2004) कालिदास एवं भवभूति के नाटकों में वैदिक संस्कृति, अम्बिका, पुस्तक सदन हरिद्वार उत्तरांचल पृष्ठ संख्या (1से210)

14 मिश्रा डॉ० प्रिति. 2005 हिंदू महिलाओं के जीवन में धर्म का महत्व– अर्जून पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली पृष्ठ संख्या– 1 से 222

15 उपाध्याय डॉ० दिनेश 5 जुलाई सप्टेम्बर 2013 गर्ग सारिका फेब्रुआरी 2011 शोध मंथन Research Journal पृष्ठ संख्या– 133 से 142

16 तिवारी कु. रीना (2001) रत्नावली तथा चन्द्रकला नाटिका– तुलनात्मक अध्ययन ज्ञान भारती पब्लिकेशगन, दिल्ली, पृष्ठ संख्या– 1 से 252

17 द्विवेदी चन्द्रशेखर (2003) संस्कृत नाटिका का ऐतिहासिक अध्ययन पृष्ठ संख्या– 1 से 389

18 दवे प्रो. सुरेशचन्द्र जे.(2003), नाट्यपंचामृतम् बृहद संस्कृत परिषद्, अहमदाबाद, पृष्ठ संख्या 104

19 अनुवाद : नाणावटी राजेन्द्र पुनर्मद्रण – (2004, 2007) जे. टी. परीख विरचित्तम् – छाया शाकुन्तलम्, संस्कृत सेवा समिति, वडोदरा, पृष्ठ संख्या 53

20 जोषी डॉ० जगदीशभाई, डॉ० पटेल सुरेखा बेन (2007) श्रीरामचन्द्र गुणचन्द्र विरचित, 'नाट्यदप्रणम्', पार्श्व पब्लिकेशन, पृष्ठ संख्या 594

21 मिश्र अभिराज राजेन्द्र (2008) , 'पुनर्नवा', वैजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद,

22 चौधरी डॉ० प्रभावती (1997) 'संस्कृत नाटक में नायिकाए' हंसा प्रकाशन, जयपुर, पृष्ठ संख्या 1 से 196.

23 पोद्दार हनुमान प्रसाद (2009)नारी शिक्षा, गीता प्रेस गोरखपुर, पृष्ठ

संख्या, 1 से 145.

24 स्वामी रामसुखदास(2009) 'गृहस्थ में कैसे रहें ?' गीता प्रेस गोरखपुर, पृष्ठ संख्या 1 से 128,

25 गोपन्दका जयदलाल(2008)' रामायण के कुछ आदर्श पात्र' गीता प्रेस गोरखपुर, पृष्ठ संख्या 1 से 144.

26 गोपन्दका जयदलाल(2008) महाभारत के कुछ आदर्श पात्र गीता प्रेस गोरखपुर, पृष्ठ संख्या 1 से 108.

27 संस्कृत नाटकों का परिचय नान्दी डॉ० तपस्वी 1996 तृतीय आवृति, युनिवर्सिटी ग्रन्थ निर्माण बोर्ड अमदावाद– संस्कृत नाटकों का परिचय पृष्ठ 1 से 468

28 लेख मंजुषा– शाह डॉ गोविन्दलाल, 1998, लेख मंजुषा (Research paper and article) प्राश्व प्रकाशन अमदावाद पृष्ठ संख्या 1 से 6. संपादक दवे प्रा. पी.सी., प्रा. सुरेश. जे.

29 डॉ राजकुमार, 2005, भारतीय समाज एवं संस्कृति, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, पृष्ठ संख्या 1से 214.

30 जोषी. डॉ जगदीशभाई. शा. 1987,'संस्कृत साहित्य में करूणरस' प्राश्व पब्लिकेशन अमदावाद, पृष्ठ संख्याा 1से 205.

31 संपादक दवे प्रा. पी.सी., प्रा. सुरेश. जे. 1996–97, अभिज्ञान शाकुन्तलम् – पृष्ठ संख्या 1से 428– सरस्वती पुस्तक भंडार अमदावाद.

32 मालविकाअग्निमित्रम् ।–प्रो. पी. सी. दवे, 2000– 2001 सरस्वती पुस्तक भंडार अमदावाद इसमें पृष्ठ संख्या 1 से 305.

33 पुराणी डॉ. विनोद 1991 शोध और साधना.(डॉ. पुराणी का लेख संग्रह हैं) कालिदास का वाछित समाज, लेख पृष्ठ संख्या – 1से 6

34 विक्रमोर्वशीयम् – संपादक दवे प्रा. पी.सी., प्रा. सुरेश. जे. 1996– विक्रमोर्वशीयम प्राश्व प्रकाशन अमदावाद, पृष्ठ संख्या 1 से 250.

35 महेता शिरीन 2009 गुजरात में नारी चेतना, दर्शक इतिहास निधि, अमदावाद, पृष्ठ संख्या 1 से 488.

36 सुमन डॉ. नाथूलाल, 2001 कालिदास के रूपकों में त्रासदीय तत्व हींसा प्रकाशन जयपुर, पृष्ठ संख्या 1 से 307.

37 तिवारी डॉ1से 468. रमाशंकर, 1999, षष्ठ संस्करण, महाकवि कालिदास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, पृष्ठ संख्या, 1से 488

38 पालीवाल डॉ. सुधा, प्रथम संस्करण 1993, विक्रमोर्वशीयम् का समीक्षात्मक अध्ययन, प्रकाशन ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली, पृष्ठ संख्या 1 से 132